

कको ॥ भयेहृशीससरणांगतताता ॥ हेहाहस्तोमलकी  
 जेहरीकीसाथा ॥ ३ ॥ अक्षर ॥ ३३ ॥ संमतप्रग  
 ॥ २१ ॥ रपुनीसालतवांण ॥ मासभाडपदतीथीसस  
 मीववांण ॥ रवीवाररसअक्षरवरुत्या ॥ श्रीम  
 त्कुवेरगुरुपरमकीसरनां ॥ १ ॥ दोहा ॥ इतीसं  
 पुर्णअक्षरभये ॥ समस्तबोधगतीराय ॥ गुरु  
 उपासंनक्षमता ॥ त्यागभक्तीदरसाय ॥ २ ॥  
 तिहीदरसावंनसतगुरु ॥ श्रीमतकुवेरसत  
 नांम ॥ नारणदासनीरभेभये करीचरणवी  
 श्राम ॥ ३ ॥ इतीश्रीककोरंथसंपुर्णः ॥ समाप्तः  
 ॥ अथमासगंथप्रारंभते ॥ अथछपेयेछंदः ॥  
 वंडगुरुपदपुंजससुऊअनंतउजासा ॥ ममइ  
 देकरोनीयासज्ञानकाहोयपरकासा ॥ १ ॥ मती  
 मंदप्रतीअंधकंदफसीतीकसेनसोई ॥ तारं  
 नतरंनत्रीलोकमेतुमवीनप्रवरनकोई ॥ २ ॥  
 पंथपक्षमतदक्षलक्षवीनासकतस्वामी ॥ व  
 चनवारीदीयेखवनकवनकुनकांमकदांमी  
 ३ ॥ परमगुरुकेवचनसदनसदमुदतमारी  
 श्रीमतकुवेरकेसरननारणदासजोबलीह  
 री ॥ ४ ॥ दोहा ॥ गुरुपदरजसीरपरधरी ॥ तीज  
 चरनचीतचहु ॥ अतीनभक्तीमोईदीजीये

परममोक्षजबीपाहु ॥१॥ ममअनायतुमनाय  
 हो ॥ सांमथश्रीमतकुवेर ॥ नारण्यदासगरीव  
 कु ॥ फरककरोभवफेर ॥२॥ मास ॥ सोरगान  
 देशीगगः ॥ श्रीगुरुसरणीवारतारे ॥ मोपे  
 बरनीनजाय ॥ अजभवश्रीपतीसारदा ॥ गुरुन  
 जसगाय ॥ श्रीगुरु ॥१॥ कारतकयपंमकरुहरी  
 वीनारे ॥ संसारसुसनेह ॥ धेहेअनलउपज्या  
 घणो ॥ बुकावेकुणतेह ॥ श्रीगुरु ॥२॥ षटदरसं  
 नखोलीवलोरे ॥ जोयाद्वादशपंथ ॥ धामचतुरच  
 तुराईसे ॥ पायानहीनीजकंथ ॥ श्रीग ॥३॥ अज्ञी  
 होत्रयज्ञादीकरे ॥ लहोसकलकोभेव ॥ तीरथ  
 तपासांद्दीघंतसे ॥ पायानहीपतीदेव ॥ श्रीगुरु  
 ध ॥ वीश्वमांचतवीलोकीयांरे ॥ देष्योसबसंसार  
 पाखंडबुहुपुजीवलो ॥ हानहीनीजदेदार ॥ श्री  
 गुरु ॥४॥ विद्वीगतनरण्येकीयांरे ॥ जोयाअ  
 रथअपार ॥ त्रीपदतात्वरईनको ॥ नहीपती  
 पदसार ॥ श्रीगुरु ॥६॥ षटसाहास्रपक्षपेखी  
 यांरे ॥ हेसांअगरेपुरांत ॥ अद्वैतनीहांतीकरी म  
 तसकलसरंत ॥ श्रीगुरु ॥७॥ लीलावीपदश  
 पतीनाकहारे ॥ जोयातेहीमकांम ॥ सुंत्यदेखु  
 तेहीसेजडी ॥ लहनहीपतीगंम ॥ श्रीगुरु ॥८॥

॥मास॥

॥२२॥

जीतजावृत्तीतपतीपदरे॥देखीहठीगयुमंन  
कोईउगारेमनेकालथी॥सांपुतंतमंतधंस  
श्रीगुरु॥१॥बिहेवीकलमंनमाहेकरे॥स्वांती  
करेकुणआज॥दासनारणानीवीनती॥सुण  
जोश्रीमाहारज॥श्रीगुरुशरणानीवारता॥१०  
॥दोहा॥महरकरंतमाहारजहो॥दयावंतदाता  
र॥दासनारणकेकारणे॥धसोमनुजअवतार  
११॥मासः॥१॥मागसरेजईमहराजनेरे॥म  
लवानीरेहंश॥पतीवीजोगेबहुपजले॥तंतधुं  
धवतोधुंश॥श्रीगुरु॥१॥चुहदशदवदेस्वोघणे  
रे॥मंतपंमेछेत्रास॥आरोउगरवाएकुनही॥  
तेनोकवनसमास॥श्रीगुरु॥२॥जंममीनवी  
छडुनीरथीरे॥तेनेडुखछेअपार॥सुरतपे  
अतीघणो॥मोमीभईरेअंगार॥श्रीगुरु॥३॥  
सीचांणोसीरपरभमेरे॥देखीभयबहुडुख  
सीधोकेलेसेसही॥यामेनमलेसुख॥श्रीगुरु  
४॥स्वांतसनेहघंनसेहवोरे॥भयातंनरेत्यागं  
न॥गगंतचढीगीरेक्षीतीपर॥पुगटेतंतमेअ  
गंत्य॥श्रीगुरु॥५॥जबघंनपरसेछारकरे॥उ  
पजेपुनीस्वांत्य॥स्नेहीसनेहसाचोखेरा॥पु  
गटेतनुक्रांस॥श्रीगुरु॥६॥जंमजलमेनरदुव

तारे ॥ संघे पंचु पोसाग ॥ भीजंता भारे थयो ॥ उ  
 गरवाने शोलाग ॥ श्रीगुरु ॥ ७ ॥ मातपीतासु  
 तसुंदरीरे ॥ भगनीने रेभ्रात ॥ कुटंममसुसु  
 वकारसु ॥ येमांसुखनसरात ॥ श्रीगुरु ॥ ८ ॥  
 धंनस्रदरतुनासनेहनेरे ॥ सुकीलहेनीरवां  
 ण ॥ बुंदलेईनेवीडेतनु ॥ भजेनहीजसजाण्यु श्री  
 गुरुश ॥ ९ ॥ मोतीबनेमनभावतारे ॥ पांमैउ  
 त्यंमवांम ॥ श्रीमत्कुवेरकेचरणमे ॥ नारण  
 दासवीश्राम ॥ श्रीगुरु ॥ १० ॥ दोहा ॥ चरनकम  
 लस्त्रीतीकरी ॥ सेणुखसेनहीजंत्य ॥ श्रीगुरु  
 केसरणांगत ॥ नारण्यदासतेनमंन ॥ ११ ॥ मा  
 सः ॥ २ ॥ पोशणकरवापधारीयारे ॥ अरवनी  
 परआप ॥ दर्सनकरांदीतानाथनो ॥ तेनोग  
 योअवपाप ॥ श्रीगुरु ॥ १ ॥ अगणीतईडकटा  
 ससेरे ॥ उत्पनकरेजेह ॥ एरेवालोआवीश्व  
 मे ॥ नीरख्यापतीतेह ॥ श्रीगुरु ॥ २ ॥ देतरमण  
 करवातणोरे ॥ हवोउमंगअपार ॥ ससचोर  
 शीजातना ॥ रचोसबसंसार ॥ श्रीगुरु ॥ ३ ॥ खे  
 लवीवीधीबुहभातनारे ॥ रूपगुणभीनजोय  
 मनगमतामतनेवीशे ॥ वससबहीसमीय ॥  
 श्रीगुरु ॥ ४ ॥ उत्तईतजीततीतवीश्वमारे ॥ अ

॥मास॥

॥२३॥

इरहालोलीन ॥ कुनममकुनकरताहशे ॥ दो  
हुपदनहीचीन ॥ श्रीगुरु ॥ ५ ॥ तनोप्रस्मीअंश  
जवभयारे ॥ लहापतीनपुरांत ॥ तबक्रमपोठं  
पांगरां ॥ जीवतबहीहेरांत ॥ श्रीगुरु ॥ ६ ॥ हेरां  
नहलाहलथईगयारे ॥ हरमलयगईहंस ॥ जीव  
पणेजाडाथया ॥ मलेकंमनीजवंश ॥ श्रीगुरु  
७ ॥ नीजअंशसबुघटमेरहारे ॥ नीरमासनी  
संख ॥ आहारवीनुउगेनही ॥ वीत्येकलपम  
संख ॥ श्रीगुरु ॥ ८ ॥ अंकुरप्रवन्ववीशेबुहरे ॥ रं  
बीजअनेक ॥ उसरसेट्टेनही ॥ नांहीदरसेते  
नेक ॥ श्रीगुरु ॥ ९ ॥ घंनवरसेवंनपांगरेरे ॥ स  
वथावरवीलास ॥ सघंनश्रीमतकुवेरसे ॥ उ  
देजीवनारण्यदास ॥ श्रीगुरु ॥ १० ॥ दोहाः जी  
वअंकुरपतीसनमुख ॥ वीमुषुहताकहीक  
ल्य ॥ करुनासघनगुरुपरसतां ॥ गइलघुम  
तीअल्य ॥ ११ ॥ मास ॥ ३ ॥ माहापदनीगंमछेघरी  
रे ॥ जाणेनहीकोईजंत ॥ अंसउदेउनसेहवा ॥  
वीछडाकल्यअनंत ॥ श्रीगुरु ॥ १ ॥ सुखदेवास  
वअंशनेरे ॥ अशीधसेतनुमाहाद ॥ नीरखंतां  
नेहअतीघणो ॥ हरदेहरखुहलाद ॥ श्रीगुरु  
२ ॥ स्यांभवदनकीसुंदीरतारे ॥ नउतंमछबीती

रा ललीलता लसला धेनही । तव छंदानवल  
 कीसोर ॥ श्रीगुरु ॥ ४ ॥ चरणसीरो जपुनी प्रस  
 तारे ॥ पांमेनी जदेदार ॥ सारसकलगतसेव  
 मे ॥ छुटेभवसंसार ॥ श्रीगुरु ॥ ५ ॥ हस्तवदनमुख  
 सेऊरेरे ॥ अंमरतसीवांण्य ॥ प्रेमीजंतनाइदेवी  
 शे ॥ रसउरेनीरवांण्य ॥ श्रीगुरु ॥ ५ ॥ दयाकर  
 देजेही जंतकुरे ॥ तंनमंनपलटाय ॥ दीव्यलो  
 चनखोलेतेहने ॥ अलमस्तहोजाय ॥ श्रीगुरु  
 ६ ॥ मस्तदेवांनाहोरहारे ॥ गांजीसकेनहीको  
 य ॥ सीरपरगुरुकाहस्तहे ॥ नीरभेभयाजंत  
 सोय ॥ श्रीगुरु ॥ ७ ॥ नराधीसुतसर्वसुखनेरे  
 पांमेवीनुपेहेतंन ॥ ओरनपांमेसरमथी ॥ रा  
 जवीजनुएतंत ॥ श्रीगुरु ॥ ८ ॥ गुरुनीथयेगुरु  
 एहनारे ॥ आग्येसारख्यअनेक ॥ सीध्यप्रमाणे  
 सीसकी ॥ सीध्यसंमएविवेक ॥ श्रीगुरु ॥ ९ ॥ से  
 वटसदनसुषधांममेरे ॥ वसेकुवेरकेवसदा  
 सनारणउतकोसही ॥ पतीहेएकलमल ॥ श्री  
 गुरु ॥ १० ॥ दोह ॥ घाटगुरुहीमपतीसद ॥ सीस  
 पदसरनविचार ॥ सुखकारंनसमोवडरहे ॥  
 अंत्यलीनतीजसारा ॥ ११ ॥ मास ॥ ४ ॥ फागरा  
 फुलफुलो नहीरे ॥ वसराखेसनेह ॥ जबफुलेत

॥ मास

॥ २४

बपरहरे ॥ तजेतं नथीरेतेह ॥ श्रीगुरु ॥ १ ॥ सोहा  
गीदीसेपुनीखीलतांरे ॥ भईवासनाअपार  
तरुपेरहेतोसारागुण ॥ गिरेगेहेसंसार ॥ श्री  
गुरु ॥ २ ॥ गंमउत्तंमआरोपीयांरे ॥ सोभेअधी  
कअपार ॥ देखेतेनांदलडांगरे ॥ जसवृक्षअ  
तवार ॥ श्रीगुरु ॥ ३ ॥ परमगुरुवृक्षनेभयारे ॥ सी  
सकलीसंसतोअ ॥ अनीनपणेअलगतही  
तजेनांगुरुकीओल ॥ श्रीगुरु ॥ ४ ॥ अनीनपणे  
कलीवतकहुरे ॥ खीलाज्ञांतीहोय ॥ गुरुआधी  
नअंगसोभीता ॥ वीछडेजगसीरसोय ॥ श्रीगु  
रु ॥ ५ ॥ राखेजगसीरपरधरीरे ॥ उरदोहअरु  
न ॥ वासनाकीरतीसुखसबलहे ॥ धंन्यगुरुने  
एमांन ॥ श्रीगुरु ॥ ६ ॥ फलउतपनवृक्षनेभया  
रे ॥ ताकीरहेएकताय ॥ रसजोपीयेनीअवृक्ष  
नो ॥ पिठेपुरणपोसाय ॥ श्रीगुरु ॥ ७ ॥ पाकांतेफ  
लसुप्रीतडीरे ॥ काचुअहेनहीकोय ॥ मीएपुर  
णामेपुरीरही ॥ अधुरेतुन्यजहोय ॥ श्रीगुरु ॥ ८ ॥ मी  
एजेमांणेलमांतवीरे ॥ खाटोमांणेरवराब ॥ पर  
मगुरुवृक्षनेवीषे ॥ सीसफलनोअराब ॥ श्री  
गुरु ॥ ९ ॥ संमधपुरणसनेहथीरे ॥ रसकुरण  
पोसाय ॥ जीवनसुक्तफलपाकीयां ॥ ग्रहेमाहा

सुषदाय ॥ श्रीगुरु ॥ १० ॥ श्रीमतकुवेरके सुरथी  
 रे ॥ वीछडी गया जंनदुर ॥ दास नारण के हेमांनेत  
 ही ॥ भवमांभटके रे सुर ॥ श्रीगुरु ॥ ११ ॥ दोहा ॥ गु  
 रु सेवा पुरन करी ॥ रीक दीया वरदांन ॥ नारण  
 दासनी श्रेकहे ॥ जीत जाये तीतमांन ॥ १२ ॥ मा  
 सः ॥ ५ ॥ चईतर चीत चरणे वसुरे ॥ ह्ये एखसे  
 नही आंत्य ॥ अवरन देखु ए संम ॥ बीजानही भ  
 गवांन ॥ १ ॥ श्री ॥ पक्षपसांण सुणी करेरे ॥ सा  
 रसरवनो छेक ॥ समरुग्रहे सुधमांतवी ॥ तेहे  
 ने कह छुबीवेक ॥ श्रीगुरु ॥ २ ॥ नार अगारवन  
 सपतीरे ॥ जाती भीन अपार ॥ अवत्य जलुनी  
 पीता घंनथी ॥ उपजे उदबीज सार ॥ श्रीगुरु ॥ ३ ॥  
 आसनही एक घंनवीनारे ॥ इजो अवत्य आधा  
 र ॥ संमध जुगलनु था वरतनु ॥ नही अवरको  
 यार ॥ श्रीगुरु ॥ ४ ॥ लघुदीरघ संमलुसनहीरे  
 पक्षघंनथी समांन ॥ अत अवत्य जलुनी पये  
 ये सो अदलनी घांन ॥ श्रीगुरु ॥ ५ ॥ जोर पक्ष सम  
 जो सुहरे ॥ ग्रहो सीधांतनो सार ॥ दधी जलजंत भ  
 येवह ॥ भीन वरण आकार ॥ श्रीगुरु ॥ ६ ॥ समंघ  
 पीता सुरनो भयेरे ॥ जनुनी जलजोय ॥ उभये सं  
 जोगे प्रजासुह ॥ मछकषादी कसोय ॥ श्रीगुरु ॥ ७



चैतन्यर्षी समासही ॥ सतावीशमोजेईश ॥  
 श्रीगुरु ॥ ६ ॥ तत्वपचीशः प्रायंडनीरे ॥ सद्यलो  
 वीस्तार ॥ क्वावरजंगमश्रीना ॥ लखचोराशी  
 सुमार ॥ श्रीगुरु ॥ ७ ॥ स्वांण्यचतुरकी उपजमेरे  
 एथीअलगनकोय ॥ तत्वधरआद्यतत्वनां ॥ स  
 मजोसदसोय ॥ श्रीगुरु ॥ ८ ॥ पुरुषप्रकृतीगण  
 सुरलगेरे ॥ वीस्तरोएवीलास ॥ तत्वपचीशप्रो  
 ठांपांगरं ॥ चैतन्यस्वमांसमास ॥ श्रीगुरु ॥ ९ ॥  
 अंशमालकतत्वातीतछेरे ॥ रेहेअलगसदाय  
 नीरगुणतोसंमसुंत्यछे ॥ येनसर्वतिसमाय ॥  
 श्रीगुरु ॥ १० ॥ तेषदनेपरसाववारे ॥ प्रगताश्री  
 मत्तकूवेर ॥ नारणादाससरंगागत ॥ परसेग  
 योभवकेर ॥ श्रीगुरु ॥ ११ ॥ दोहा ॥ भवकरकक  
 रननहरी ॥ प्रगतेसतगुरुमाहादा ॥ अंसप्रषी  
 लनीजतातहे ॥ सीगुनिनीगुनिकीआद्य ॥ १२ ॥  
 मास ॥ ७ ॥ जिवेतेजनममरणतणोरे ॥ भयोरो  
 गप्रसाध ॥ श्रीदोषत्रीगुणतनमेभयो ॥ बीजाछे  
 पणसाध ॥ श्रीगुरु ॥ १३ ॥ पाडुप्रकंमागुरुत्तणीरे  
 कनेनांहीतेरोग ॥ गुदस्तक्षीतीनीजध्यांतसे  
 नहीयोगसंभोग ॥ श्रीगुरु ॥ १४ ॥ उपस्तअसक  
 वीशसुकरेरे ॥ तहीहरीसुरेहेत ॥ गुरुपरसा

॥ मास ॥ नीधीतडी ॥ नहीजगसुसहेत ॥ श्रीगुरु ॥ ३ ॥ जी  
 ॥ २६ ॥ कावदनमंदजांणवुरे ॥ गुनप्रसादीनधीत ॥ ग्रा  
 णमंदनांसुबासही ॥ वरतेजक्तकीरीत ॥ श्रीगु  
 रु ॥ ४ ॥ चसुचरमगतीन्यालतुरे ॥ भालेभीन्तारे  
 भीत ॥ अवणसुणेवीसेस्तेहना ॥ करकरमआ  
 धीत ॥ श्रीगुरु ॥ ५ ॥ मनसंकल्पतीत्यनोही  
 रे ॥ अतीत्यनोआधार ॥ तीश्रेबुधकरेतासने  
 वरतेजक्ताकार ॥ श्रीगुरु ॥ ६ ॥ अहंकारअहंत  
 नोअस्मीतीरे ॥ अतीत्यनोआवेश ॥ आपुपती  
 पदपरहरी ॥ वरतेवीकटवीदेश ॥ श्रीगुरु ॥ ७ ॥  
 चीतबीतनुचीतवननहीरे ॥ भटकेभवमीका  
 र ॥ मंदएथीअतीजांणवु ॥ सुखनहीनीरधार  
 श्रीगुरु ॥ ८ ॥ चुहुदशअंगरगरगवीषेरे ॥ चरीव  
 लीसुवरोग ॥ असाधरोगीकंमबंचही ॥ बीन  
 हकीमसंजोग ॥ श्रीगुरु ॥ ९ ॥ अगमदेशअरस  
 सेरडेरे ॥ आआहकीमश्रीराज ॥ दासतारण  
 केकारणे ॥ श्रीकुवेरधीराज ॥ श्रीगुरु ॥ १० ॥ दो  
 हा ॥ हरीहकीमगुरुहोयके ॥ ग्रहेजीवदरदीअ  
 नेक ॥ षीतीसेकरकरमेदीये ॥ गयेदुखरहेता  
 नेक ॥ ११ ॥ मास ॥ ८ ॥ असाडेओसदअंमृतज  
 डीरे ॥ आआदीनदयाल ॥ सरणांगतसुषयांम

शे॥ गयो दुख जंजाल ॥ श्रीगुरु ॥ १ ॥ श्रीदोषहरोत्री  
 वृगथीरे ॥ ज्ञानभक्तीवैराग ॥ नीजपरप्रालम्ब  
 गुकरो ॥ गयो तं न अनुराग ॥ श्रीगुरु ॥ २ ॥ लोचन  
 करं नीजदेखतां रे ॥ ग्राह्यहेते सुवास ॥ कणिसा  
 रसब्दो ग्रहे ॥ जीभ्याजसगुनआस ॥ श्रीगुरु  
 ३ ॥ अधरुप्रसकउचीष्टनो ॥ पसादीसुसहेत  
 त्वचापरसगुरुसंतने ॥ सेवाहस्तसवेत ॥ श्री  
 गुरु ॥ ४ ॥ चरंतयकं मापे मथीरे ॥ नेमधरे जंन  
 कोय ॥ गुदाउपस्तधीरध्यानशु ॥ नेगीसुखना  
 समोय ॥ श्रीगुरु ॥ ५ ॥ मंनसंकल्पनीजरुपतीरे  
 नीश्रेकरे बुधीतेह ॥ तोलतत्वअहंकारनी ॥ ची  
 तवीतनीसनेह ॥ श्रीगुरु ॥ ६ ॥ चहुदशअंगअरो  
 गीकसांरे ॥ रोगरहोनहीलेश ॥ हीर्णग्रभहरी  
 मात्रीका ॥ दीयो लक्ष्मीशेश ॥ श्रीगुरु ॥ ७ ॥ हरी  
 हीर्णग्रभमांगुणघणारे ॥ मीसादरदअनेक ॥ ब  
 लीहारीगुरुहकीमकी ॥ क्याहावीनवुवीकेक  
 श्रीगुरु ॥ ८ ॥ रोगअसाधुसंसारनीरे ॥ दीयोप  
 लमेसबखोय ॥ दरदीदेवांनाहोईरहा ॥ अलम  
 स्तअमोय ॥ श्रीगुरु ॥ ९ ॥ श्रीमत्कृवेरकरूणाक  
 रीरे ॥ बाधीवीश्वनोहरंत ॥ दासनारण्यहेवुजां  
 एीने ॥ अर्हिसरणपरंत ॥ श्रीगुरु ॥ १० ॥ दोहा ॥ दुष

दरीयासंमजीबकु॥ हरतांगुरुकुनवेरा॥ पुरणतं  
 मजोगगंनमे॥ अरकउदयेनहीहेरा॥ ११॥ असुर  
 १॥ श्रावणसुखमसुखवडेरे॥ जीलेवीरलारे  
 संत॥ छोलोउठेसदचीदनी॥ आनंदतनुवंत॥  
 श्रीगुरु॥ १॥ सुखचतुरपरकारनुरे॥ वीभक्ती  
 वीचार॥ ताकेदातागुरुचतुरही॥ जेथीजेहेसुष  
 सार॥ श्रीगुरु॥ २॥ जीलेप्रोक्षगुरुप्रोक्षनीरे॥ वा  
 तोसुणीसुणाय॥ सुणीतलसुखसुखमोदक॥ ग  
 हेमस्तमुदाय॥ श्रीगुरु॥ ३॥ नीजगुरुपदनीजदे  
 हनेरे॥ खोजावेजेखचीत॥ अरसअंमरजेलोक  
 नी॥ यांहांअंससवीत॥ श्रीगुरु॥ ४॥ दरसाव्याद  
 लदेवनेरे॥ देवाधीकुराकंथ॥ कुरासरुपछेएह  
 तु॥ आव्याकंमकुरापंथ॥ श्रीगुरु॥ ५॥ अंसमाल  
 कतंनतरखतनेरे॥ तिनोआपेजेलक्ष॥ तेसतगु  
 रुसदजांणवा॥ यांमेएनीजदक्ष॥ श्रीगुदी॥ अंसअ  
 नंतघटघटवीशेरे॥ भवेभवहीमोकार॥ रमणर  
 लीतरसबसथई॥ मांणेतंतसुखसार॥ श्रीगु  
 रु॥ ७॥ अंशीनीजकरताकतेरे॥ मिलावेकीई  
 माहाद॥ परमगुरुपदएहना॥ आपेसुखअना  
 घ॥ श्रीगुरु॥ ८॥ परमगुरुपतीसंगीतरे॥ इंजीत  
 पतीनेह॥ वेसवीपुवसतेनही॥ सदासंघीसमेह

श्रीगुरु॥ १॥ श्रीमत्कुवेरपरमगुरुरे॥ पुगटायो  
 जेलस॥ दासनारणनीरभेभयो॥ पांम्योपतीप  
 ददस्य॥ श्रीगुरु॥ १०॥ ॥ परमगुरुपतीपास  
 ही॥ ज्योसुरकीरणसनेह॥ दीघंनभंशवंशतेहन  
 को॥ दासममपतीसदतेह॥ ११॥ ॥ १०॥ भा  
 दरवीभलगजीयोरे॥ अनुभवघंनघोर॥ रसपल  
 वसुहस्रष्टीमे॥ थईरहुसबगोर॥ श्रीगुरु॥ १॥ स  
 भरसनातंनपदवीखेरे॥ अष्टीवंमउदयंत॥  
 वस्तुअकरताअेहधे॥ जुवीसकलसीघांत॥  
 श्रीगुरु॥ २॥ भोमीबूलसीघांतमेरे॥ भांडजकप  
 सार॥ चतुरपायेदृष्टांतने॥ समकोसमऊणहा  
 र॥ श्रीगुरु॥ ३॥ आपेभांडनउपजतरेनीपजा  
 वेकुलाली॥ अहेतमांअनुक्रमनही॥ जकनी  
 कुराखाली॥ श्रीगुरु॥ ४॥ अपकंचनमसरीतणो  
 रे॥ दृष्टांतसमेतावीनकरताकतनबने॥ वीभ  
 कीसहेत॥ श्रीगुरु॥ ५॥ लेहेरबीरंगाअपमयेरे  
 जलकरीनसकंत॥ पवनपेरकसबहीबने॥ जु  
 वोसकलसुसंत॥ श्रीगुरु॥ ६॥ नंगकंचनमेन  
 इहतारे॥ करवानोनेभाव॥ करनहारसोनी  
 सको॥ नीनुसीभासदावा॥ श्रीगुरु॥ ७॥ मसरीनं  
 गमीगईनारे॥ बनेघाटअनेक॥ आपेआपनउ

मास

२८

पुजत ॥ हलवईनीववेक ॥ श्रीगुरु ॥ ८ ॥ अपकेचन  
हीतीखांडनारे ॥ घाटकरताकरंता ॥ चतुरप्रक्र  
तथीनवने ॥ सरजेआंत्यसरंत ॥ श्रीगुरु ॥ ९ ॥ आ  
द्यसकरतासरजनरे ॥ करताकैवल्य ॥ श्रीमतकु  
वेशपदतेहना ॥ वेताएकलमल ॥ श्रीगुरु ॥ १० ॥ च  
कवरतीसीधांतमेरे ॥ जीवजोपतीआय ॥ दास  
नारणअनप्रयासथी ॥ नीजपतीपदपाय ॥ श्री  
गुरु ॥ ११ ॥ दोहा ॥ नीजपतीपदजनचाहेहीग्रहो  
परमगुरुदक्ष ॥ ओरसकलइतिअटवत ॥ एसवप  
झापस ॥ १२ ॥ असुर ॥ १३ ॥ आसौरखेलखांतीलानो  
रे ॥ वीनईछानोतईस ॥ असचौराशीवीभक्तीमे  
भीनभीनभईस ॥ श्रीगुरु ॥ १४ ॥ रूपगुनवृतीवीचा  
रमांरे ॥ एकतातजणाय ॥ आसेअलगसौअंस  
नो ॥ कपमसकुसराय ॥ श्रीगुरु ॥ १५ ॥ एकताकहे  
कुणमुक्तहीरे ॥ कोअमुक्तेजाय ॥ मुक्तअमुक्तही  
जोकहे ॥ आपक्यंमतेसराय ॥ श्रीगुरु ॥ १६ ॥ असुक्त  
अंगबंअनुकीयुरे ॥ मुक्तअंगजनाव ॥ आपकव  
तपतसेनही ॥ अंशअलगसभाव ॥ श्रीगुरु ॥ १७ ॥  
अंशीनीजकरताकहोरे ॥ लहोसकलसवेत  
सजांणसाक्षीसर्वनासही ॥ उपजावेसहेत  
श्रीगुरु ॥ १८ ॥ सुधसंकल्येसकतथीरे ॥ ईशासही

तकरंत ॥ अणुरजइडकटासनुवे ॥ कारणकार  
 जधरंत ॥ श्रीगुरु ॥ ६ ॥ करताकारणकुलवीश्व  
 नारे ॥ फरकरहीनेफेखाव ॥ करतउदेअंशला  
 पही ॥ बीजानोहांनदाव ॥ श्रीगुरु ॥ ७ ॥ जकप  
 तीगतीसामथरे ॥ सुहुनुभरतहीपेट ॥ सजां  
 णसकरतातेतलहा ॥ लक्षलाधोनांनेट ॥ श्री  
 गुरु ॥ ८ ॥ अधरतखतपरअरसहेरे ॥ जोकोअ  
 चलआसंत ॥ अवीलीकुईतपतीजग ॥ अर  
 जसुणीदासंत ॥ श्रीगुरु ॥ ९ ॥ आघसकरतास्व  
 राजहीरे ॥ करणेशकेवल ॥ वीसेसणनीजप  
 तीनको ॥ समरुसमकीलोदल ॥ श्रीगुरु ॥ १० ॥  
 श्रीमतकूवेरनोसरुणग्रहोरे ॥ पतीएनीजआप  
 दासतारणपनीरभेभयो ॥ एचरणपताप ॥ श्री  
 गुरु ॥ ११ ॥ दिहा ॥ आपनुआपनीजपतीपदा ॥ दरस  
 तजाकेदह्य ॥ तेहीपरमगुरुजांतहो ॥ परहरी  
 सबकोपक्ष ॥ १२ ॥ असर १२ ॥ द्वादशमासपुर  
 णभयारे ॥ रहोअधीकंसमास ॥ अरथकुहु  
 हविएहनो ॥ संतसमकोसमास ॥ श्रीगुरु ॥ १३ ॥  
 नीगमेनीरुपणजेकरुरे ॥ खोजेअरथअप  
 रा ॥ सदचीदानंदएत्रीपदा ॥ नयेतीपदन्यार ॥  
 श्रीगुरु ॥ १४ ॥ बुहसपुरुषप्रकृतीलगीरे ॥ करेती

मास ॥ गंमनीरुप ॥ अष्टमोणपदवेदधी ॥ कर्षवलच  
 रूप ॥ श्रीगुरु ॥ ३ ॥ मंनवांणीतीतसुहवदेरे ॥  
 ॥ २६ ॥ वीदवांनजेवेत ॥ अक्रतपदवदीतलकहे ॥ सा  
 यीरुधीप्रसेत ॥ श्रीगुरु ॥ ४ ॥ प्रसवनहारते  
 प्रोसहेरे ॥ सरवातीतसराय ॥ अष्टमोणपद  
 एहछे ॥ पदपरमपराय ॥ श्रीगुरु ॥ ५ ॥ परमप  
 रायपरमपतीरे ॥ क्रतासकलसजांण ॥ अण  
 रजंडिकटासना ॥ साक्षीरुजंनपुमोण ॥ श्रीग  
 रु ॥ ६ ॥ जीनुहकसीससीसुरसवेरे ॥ उदधंनस  
 हीत ॥ ससुमारपुनीदेवता ॥ मंनवजेदहीत  
 श्रीगुरु ॥ ७ ॥ प्रकृतीपुरुषगुनसुरसुनीरे ॥ हु  
 कमेवरतंत ॥ पंचतत्त्वतंनमातरा ॥ महतत्वस  
 तेत ॥ श्रीगुरु ॥ ८ ॥ चतुरवीशईश्वरतनुरे ॥ हु  
 कमेष्टेसराय ॥ हलएचलएखलकेवही ॥  
 हुकमेपरंमपराय ॥ श्रीगुरु ॥ ९ ॥ एकलसुम  
 लअचराचरे ॥ वृतेसवसीरसोय ॥ वीधीस  
 मधीस्वाधीनहे ॥ इजोद्वैतनकोय ॥ श्रीगुरु ॥ १०  
 अष्टमोणआवीश्वमारे ॥ परमोणपुधीस ॥ सो  
 कारणवीपुवतमये ॥ देवाधीसकेधीश ॥ श्रीग  
 रु ॥ ११ ॥ ईशचतुरदशलोकनारे ॥ जक्रगुरुभव  
 तार ॥ श्रीमत्कूवेरपतीतेहछे ॥ धुंन्यसरगआ



धार। श्रीगुरु॥१२॥ धंन्यनगरसारसापुरीरे॥ धं  
 न्यभोमीस्त्रान॥ धंन्यसंतसरणपेवसे॥ धंन्यसेव  
 कसमान॥ श्रीगुरु॥१३॥ धंन्यवस्तीवर्यचिंतु  
 रनेरे॥ धंन्यसमयेसोसार॥ षगटपुसुकेदर  
 संन॥ पामेनीजदेदार॥ श्रीगुरु॥१४॥ श्रीमत्कु  
 वेरपरमगुरुरे॥ मय्यामतीरथपुरा॥ दासनारण  
 तीरभेभये॥ रह्योसरणहजुरा॥ श्रीगुरु॥१५॥ हे  
 हा॥ मासंगंधसंपुरण॥ अधीकअपरमणमा  
 स॥ जथाजोग्यजमलहीकही॥ जोखोनेनीज  
 दास॥१६॥ अरथअगमगतीमतनही॥ सत  
 शब्तीरवाण्य॥ मासंगंधपुरणभयो॥ समजे  
 संतसुजाण॥१७॥ इतीश्रीमासंगंधसंपुर्णः॥  
 ॥ श्रीपरमगुरुभ्योनमः॥ अथमासंगंधपारंभ ॥  
 सतगुरुसरवेश्वरस्वामी॥ जगतपतीसर्वप्र  
 तरजांमि॥ सतगुरुसरवेश्वरस्वामी॥ टेक  
 कारतकसंतसमजेसुरा॥ सेवामारहेतेन  
 रपुरा॥ बदनतेहेतापरकलकेतुरा॥ सतगुरु  
 १॥ माघसरअरसतणीयेली॥ आंगणमाहा  
 रथायरंगनीरेली॥ फुलीअनुभवतणीवेली  
 सतगुरु॥२॥ पोषेतीपेमीजंतप्यारा॥ गड्यानी  
 जरूपनहीत्यारा॥ फरीनआवितेग्रभदारा॥ सत

॥ सास्त्र

॥ ३० ॥

गुरु ॥ ३ ॥ माहायदनाभोगीभवमे ॥ जरेनहीवी  
सीयानंददवमे ॥ जगतसुखजांणे एकलवमे  
सतगुरु ॥ ४ ॥ फागणकरकगुरुराया ॥ चिरन  
सुखवीरलाजंतपाया ॥ छोडीजगजेशरणेआया  
सतगुरु ॥ ५ ॥ चैतरचीततरनेचाहातु ॥ गमेन  
हीवीसीयानंदनातु ॥ लहेसुखगुरुसंगथीमा  
तु ॥ सतगुरु ॥ ६ ॥ वैशाकवीश्वतणीघांटी ॥ देहो  
स्मीनीस्वनेआंटी ॥ कालेमोहनीमायाघांटी  
सतगुरु ॥ ७ ॥ जेठेठेठगावुकरवु ॥ चीतगुरुच  
रणेधरवु ॥ तेथीचोराशीनपडेकरवु ॥ सतगु  
रु ॥ ८ ॥ असाडेअंमृतकडवरसे ॥ बदनगुरुना  
सुखसेदरसे ॥ जग्यासुरहोयहेनेपरसे ॥ सत  
गुरु ॥ ९ ॥ श्रावणेश्रवडलेजोया ॥ गुरुगुंमवी  
जगगंनबोया ॥ म्होटासुनीवरजोडनेम्होया  
सत ॥ १० ॥ भाद्रवेभरसुखनाभोगी ॥ आत्म  
अंशअंसीनायोगी ॥ कसाईतसरवेवीजोगी  
सतगुरु ॥ ११ ॥ आसोहरखेलतणोखेली ॥ प्रकल  
गत्यअलबेलोबेली ॥ मलीमंतमुरजादामेली  
सतगुरु ॥ १२ ॥ प्रसोतंममासअधीककेहेछे ॥ घा  
दशथीडुरणरेहेछे ॥ येनोभेदकोईवीरखालेहे  
छे ॥ सतगुरु ॥ १३ ॥ कुवेरस्वामीशरणनुसुषमो

दु॥ नारणदासचरननमेलोदु॥ एथीबीजुतेसु  
रवेसोदु॥ सतगुरुसरवेश्वरस्वामी ॥१४॥ इती  
श्रीमाससंपुर्णः॥ समाप्तः॥ ॥

अथमासप्रारंभः॥ सेवासतगुरुनीकरीये॥ मतो  
रथमनगमतावरीये॥ सेवासतगुरुनीकरी  
ये॥ टेक॥ कारतककरमकरुसाचु॥ सतगुरु  
चरणेचीतराचु॥ मनसाजन्मफलपाचु॥ से  
वा॥१॥ मागसरमहीमाजेजांणे॥ माहापद  
मगतथईमांणे॥ अवीद्याअंतरनवआंणे॥ शे  
वा॥२॥ पोषेसंसेसुहभागो॥ नीरंतरनेहचर  
णलागो॥ जीतांजीवआतमजागो॥ सेवा॥३॥ मा  
हापदनीग्यंमछेमोटी॥ अनुभवानंदतणीको  
टी॥ मांणेसुखग्रहेगुरुकीकसोटी॥ सेवा॥४॥  
फागणकेरोनहीतेहेने॥ सतगुरुमेहेरकरे  
जेहेने॥ मीटीचोरासीगुरुबेने॥ सेवासत॥५॥ वि  
तरेचंतथयुमाहारु॥ जंमजलथीमीतनहीन्या  
रु॥ अवीगत्यमेरत्यएकतारु॥ सेवा॥६॥ वैशा  
कवशमेंजेवाट॥ चलेमाहासुरयेणेघाटे॥ गुरु  
ग्यंमलेवीतेमाटे॥ सेवा॥७॥ जेवेवेवलहीपद  
सी॥ स्वरूपानंदभद्रकदमी॥ अजंयाजापजयी  
हरदमी॥ सेवास॥८॥ असाडेअंमृतकडवर

॥ मास

॥ ३१ ॥

से। परमगुरुनामुषधीदरश्री। जग्यासुरधीवंत  
नेपरसे। सेवा॥ श्री। आवणशीदफरेन्यारी। पी  
यानेमनगमतीप्यारी॥ दोहीलादीनगयाहारी  
शेव॥ १०॥ भादरवेभरसुखमेखेलु। पीयुपल  
न्यारानवमहेलु। पतीपदनुसुखषेधेहेलु॥ सेवा  
११॥ आसोसुप्रतणीवाजी॥ पीयुवीनापलदल  
नवराजी॥ वीनेतीसीजकरुफाजी॥ सेवा॥ १२॥  
पुरणद्वादशमास॥ श्रीमत्कुवेरपरीआस  
जोडीपांणकेहेनारण्यदास॥ सेवासत॥ १३॥  
॥ इतीश्रीमासगंधसंबुर्णः॥ समाप्तः॥ ॥

अथथालपारंभते॥ आजदीनसपरमोरेउर्या  
कंचनभांतु॥ मतनाजेमनोरथरेजेनुसीरपर  
बांतु॥ १। येहेवाआनंदरूपीरेहरीवरनेकाजे  
नीजभोवंनसमारारे। क्पाहारेषुवीराजे॥ २।  
मंडपमंनगमत्तारे। मोतीडेचोकसुरा॥ चीत्र  
हीमन्नरगनारे। अतीकलकेनुरा॥ ३। कलस  
काचबीलोरीरे। जाडवांनीकुममची॥ ऊसर  
कंधसांरुमतारे। बांधांतेनीसोभासची॥ ४। के  
सखंभथंभावीयारे। लतायोललीतलेके॥ चं  
पीचमेलीचेवडोरे। गुलाबमोगरडोम्हेके॥ ५।  
तोरणत्रीभातनारे। आसोआंबासीफलतां